A–0401

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAHL-102

M.A. Hindi (MAHL)

मध्यकालीन कविता

Examination, Feb., 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भक्तिकालीन कविता के उदय की पृष्ठभूमि को सविस्तार समझाइए।

2. सूरदास के वात्सल्य वर्णन को उदाहरण सहित विस्तार से रेखांकित कीजिए।

3. नागमती वियोग खण्ड के वैशिष्ट्य को दर्शाते हुए, जायसी के भक्ति के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

4. रीतिकाल के उदय के कारणों को स्पष्ट करते हुए, रीतिकाल के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए।

5. मीराबाई के प्रेम-भावना को स्पष्ट करते हुए, उनके भक्ति संबंधी मूल्यों पर चर्चा कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कबीर के इन दोहों में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए–

तूँ तूँ करता तू भया मुझ में रही न हूँ।

वारी फेरी बलि गई जित देखों तित तूँ।।

अथवा

बिरहा बुरहा जिनि कहा बिरहा है सुल्तान।

जा घट बिरह न संचरै सो घट सदा मसान।।

2. सूरदास के भ्रमरगीत-सार में गोपियों की वाग्विदग्धता की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

3. तुलसीदास रूपकों के बादशाह कवि हैं। इस पंक्ति की व्याख्या उदाहरण सहित कीजिए।

4. गुरुनानक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संक्षिप्त निबंध लिखिए।

5. आगे के सुकवि रीझिहैं तो कविताई।

   ना तो राधिका कान्ह सुमिरन को बहानो है।।

   पंक्ति के आधार पर रीतिकाल के विकास को स्पष्ट कीजिए।

6. नहिं पराग नहिं मधुर मधु नहिं विकास एहि काल।

   अली कली ही सों बिंध्यो आगे कौन हवाल॥

   इस दोहे की ससंदर्भ व्याख्या करते हुए बिहारी के काव्य-कौशल को संक्षेप में समझाइए।

7. घनानंद के प्रेम के स्वरूप को उनकी कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. ''केशवदास कठिन काव्य के प्रेत हैं।'' इस कथन के आधार पर उनकी कविताओं का मूल्यांकन कीजिए।

****